भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 977
10/02/2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्री क्षरण के कारण तटीय क्षेत्रों का असुरक्षित बन जाना

977 श्री परिमल नथवानी :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(च) क्या समुद्री क्षरण, चक्रवात, बाढ़ आदि के कारण तटीय क्षेत्रों का असुरक्षित बन जाना एक वास्तविकता बन गई है जो बड़े तटीय समुदायों, विशेषकर मछुआरों के जीवन के लिए एक बड़ा खतरा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) क्या सरकार ने समुद्री क्षरण रोधी नई तकनीकों को अमल में लाकर ऐसी खतरनाक स्थिति की रोकथाम के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ज) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश की संपूर्ण तटरेखा की संरक्षा और उसकी पूर्वावस्था बहाल करने के लिए क्या नए उपाय किए गए हैं; और

(झ) क्या निवारक उपायों को कार्यान्वित करते समय हितधारकों को विश्वास में लिया गया था और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी, हां। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संबद्ध कार्यालय राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (NCCR) भारतीय तटों के समांतर कुछ चुने हुए स्थानों पर समुद्री क्षरण के कारण होने वाली असुरक्षा का अध्ययन करने का कार्य कर रहा है। प्रचण्ड वर्षा और उससे जुड़ी बाढ़ तटवर्ती समुदायों समेत मछुआरों के लिए खतरा बन गई है और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा भारी वर्षा होने की स्थिति में शमन उपायों के लिए राज्य सरकार को बाढ़ असुरक्षा सम्बन्धी जानकारी प्रसारित करने के लिए दो तटवर्ती शहरों (चेन्नई एवं मुम्बई) के लिए इंटीग्रेटेड फ्लड वार्निंग सिस्टम (I-Flows) विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त, NCCR ने खतरों की स्थिति में तटवर्ती मछुआरों को सूचना पहुंचाने के लिए मत्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार के साथ मिलकर एक मोबाइल एप्लिकेशन 'Thoondil' भी विकसित किया है। इसके अतिरिक्त, NCCR द्वारा तटरेखा के संरक्षण हेतु समुचित शमन करने के लिए सभी तटवर्ती राज्यों को क्षरण के कारण तटरेखा की असुरक्षा सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध करा दी गई है।

(ख) एवं (ग) जी, हां। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने पुडुचेरी तथा तमिलनाडु में कडलुर पेरियाकुप्पम गांव में तटीय क्षरण शमन उपायों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है।

(घ) जी, हां। निवारक उपायों को कार्यान्वित करने के दौरान मछुआरा समुदाय हेतु एंड्रॉयड मोबाइल ऐप तथा बाढ़ चेतावनी प्रणाली जैसे टूल विकसित करने के दौरान मछुआरे एवं स्थानीय प्रशासन / सरकारी निकायों जैसे तटवर्ती हितधारकों से परामर्श किया गया था।

*****